

\_^\_ हिंडो तो घलादे सतगुरु \_^\_

हिंडो तो घलादे सतगुरु म्हारा बाग में जी ।  
सतगुरु म्हारा, हिंडे हिंडे सुरता नार ॥

काया तो नगरिये में सतगुरु म्हारा आमली जी ।  
सतगुरु म्हारा छाई छाई च्यारू मेर ॥ १ ॥

अगर चन्दन को सतगुरु म्हारा पालणों जी ।  
सतगुरु म्हारा रेशम डोर घलाय ॥ २ ॥

पांच सखी मिल पाणीडे न निसरी जी ।  
सतगुरु मेरा पांचू ही एक ऊणीयार ॥ ३ ॥

नाथ गुलाब से सतगुरु म्हारा विनती जी ।  
सतगुरु मेरा गावै गावै भानीनाथ ॥ ४ ॥

जय श्री नाथजी की .....